पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

कार्य-निष्पादन समीक्षा - 30 सितंबर 2021 को समाप्त तिमाही

पीएफसी ने 11 नवंबर, 2021 को 30 सितंबर, 2021 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम की घोषणा की। तिमाही 2'22 और छमाही1'22 के कार्य-निष्पादन संबंधी विशेषताएं इस प्रकार हैं।

क. पीएफसी अब एक महारत्न सीपीएसई

- पीएफसी को 12 अक्तूबर 2021 को भारत सरकार द्वारा सीपीएसई के लिए सर्वोच्च "महारत्न" का दर्जा दिया गया है।
- पीएफसी "महारत्न" श्रेणी में शामिल होने वाला 11वां सीपीएसई है।
- पीएफसी वित्तीय क्षेत्र की पहली महारत्न कंपनी है।
- महारत्न का दर्जा प्रदान करना भारतीय विद्युत क्षेत्र के समग्र विकास में पीएफसी की कार्यनीतिक भूमिका पर भारत सरकार के विश्वास को दर्शाता है।
- महारत्न का दर्जा प्राप्त होने से पीएफसी को अधिक प्रचालन और वित्तीय स्वायत्तता मिलेगी, जो पीएफसी को त्वरित विकास और विद्युत क्षेत्र के लिए सरकार के दृष्टिकोण का समर्थन करने में मदद करेगा।

ख. वित्तीय कार्य-निष्पादन

1) समेकित वित्तीय कार्य-निष्पादन

- छमाही1'21 से समेकित नेट वर्थ में 19% की वृद्धि - छमाही1'22 के लिए नेट वर्थ 90,311 करोड़ रुपए
- छमाही1'21 से समेकित कर पश्चात लाभ में 22% की वृद्धि - छमाही 1'22 के लिए पीएटी 9,578 करोड़ रुपए।
- छमाही1'21 से निवल ब्याज आय में 18% की वृद्धि - छमाही1'22 के लिए निवल ब्याज आय 15,069 करोड़ रुपए
- दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के परिणामस्वरूप समेकित निवल एनपीए अनुपात में छमाही 1'21 में 2.60% की तुलना में छमाही 1'22 में 1.72% की कमी

2) एकल वित्तीय कार्य-निष्पादन

- ति2'21 से कर पश्चात एकल लाभ में 32% की वृद्धि - ति2'22 के लिए पीएटी 2,759 करोड़ रुपए।
- छमाही1'21 में 3,785 करोड़ रुपए के मुकाबले छमाही1'22 के लिए 5,032 करोड़ रुपए का एकल (स्टैंडअलोन) कर पश्चात लाभ।
- 2.50 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित।

- पीएफसी सीआरएआर 20% से अधिक बना हुआ है और ति2'21 से 358 बीपीएस की वृद्धि देखी गई है। 30.09.2021 को सीआरएआर 21.76% है, जिसमें टियर 1 पूंजी 18.42% और टियर-2 पूंजी 3.34% है। इसके अतिरिक्त, इस तिमाही में पीएफसी ने वित्तीय वर्ष 21-22 के लिए अंतरिम लाभांश की घोषणा की है, जिसका भुगतान वित्तीय वर्ष 22 की तीसरी तिमाही में होगा, जो उस सीमा तक सीआरएआर स्तरों को प्रभावित करेगा।

- **प्रमुख वित्तीय संकेतक**
    - ति2'22 के लिए आय पर प्राप्ति 10.28% पर परिकल्पित सीमा के भीतर है। प्राप्ति में गिरावट का रुझान पिछले साल पीएफसी ऋणकर्ताओं को दी गई ब्याज दर में कटौती के कारण है।
    - मौजूदा बाजार परिदृश्य को देखते हुए ति2'22 के लिए निधियों की लागत ति2'21 की तुलना में 22 बीपीएस कम हो गई - ति 2'22 के लिए निधियों की लागत 7.39% है।
    - ति2'22 के लिए अर्जक परिसंपत्तियों पर स्प्रेड और एनआईएम स्थिर सीमा के भीतर बना हुआ है - ति2'22 के लिए स्प्रेड 2.89% पर है और ति2'22 के लिए एनआईएम 3.63% है।

- **ऋण परिसंपत्ति बही -** 30.09.2021 को ऋण परिसंपत्ति बही 3,71,732 करोड़ रुपए है अर्थात 3,71,158 करोड़ रुपए है। बैंकों से सस्ता वित्तपोषण और बाजार में उच्च लिक्विडिटी की उपलब्धता के कारण पीएफसी अपने ऋणकर्ता द्वारा पूर्व भुगतान में वृद्धि देख रहा है, जिसका कारण ऋण परिसंपत्ति वृद्धि में कमी है। इसके अतिरिक्त, कोविड महामारी के प्रभाव के परिणामस्वरूप, विद्युत क्षेत्र में नए कैपेक्स परिवर्धन न्यूनतम हैं और मौजूदा कैपेक्स परिवर्धन पूरी तरह से फिर से शुरू नहीं हुए हैं। इसलिए, विद्युत क्षेत्र में धीमी कैपेक्स वृद्धि के परिणामस्वरूप पीएफसी का ऋण कारोबार प्रभावित हो रहा है। लेकिन, जैसे-जैसे स्थिति में सुधार होता है, ऋण परिसंपत्ति वृद्धि धीरे-धीरे सामान्य होने की उम्मीद है।

- **ईईएसएल पीएफसी के लिए इंड एएस के अंतर्गत संयुक्त रूप से नियंत्रित एंटिटी नहीं है** - 30.09.2021 को समाप्त तिमाही के दौरान, ईईएसएल कंपनी के लिए इंड एएस फ्रेमवर्क के अंतर्गत 01.09.2021 से संयुक्त रूप से नियंत्रित एंटिटी नहीं रह गई है। तदनुसार, आवश्यक लेखांकन उपचार किया गया है।

तिमाही दर तिमाही लगातार बेहतर वित्तीय कार्य-निष्पादन देते हुए।

ग. परिसंपत्ति गुणवत्ता

1) एनपीए स्तर में सुधार

- इस तिमाही में, निवल एनपीए का स्तर 2% से नीचे आ गया है। 30.09.2021 को निवल एनपीए अनुपात 1.92% है, जो पिछले 5 वर्षों में सबसे कम है। निवल एनपीए स्तरों में कमी, बढ़े हुए प्रावधान स्तरों के कारण है। 30.09.2021 को सकल एनपीए अनुपात 5.67% है।
- वर्तमान में, चरण III की कुल परिसंपत्ति (सकल एनपीए परिसंपत्ति) 21,063 करोड़ रुपए है। छमाही1'21 के बाद से, लगभग एक-चौथाई दबावग्रस्त परिसंपत्तियों का समाधान कर दिया गया है।

2) समाधान स्थिति पर अपडेट

- कृष्णा गोदावरी के 76.63 करोड़ रुपए के ऋण का इस तिमाही में एनसीएलटी के अंतर्गत समाधान किया गया है। इस परिसंपत्ति के लिए पर्याप्त प्रावधान उपलब्ध था।
- 21,063 करोड़ रुपए की 25 परियोजनाएं चरण III में हैं। इसमें से 16,688 करोड़ रुपए की 16 परियोजनाओं का समाधान एनसीएलटी के माध्यम से किया जा रहा है और 4,375 करोड़ रुपए की शेष 9 परियोजनाओं का समाधान एनसीएलटी के बाहर किया जा रहा है।
- जैसा कि पहले इंगित किया गया था, 1200 मेगावाट एस्सार पावर महान के 1,345 करोड़ रुपए के ऋण के लिए समाधान योजना एनसीएलटी को प्रस्तुत की गई थी। अब, समाधान योजना को एनसीएलटी द्वारा अनुमोदित किया गया है। इस ऋण परिसंपत्ति के लिए पर्याप्त प्रावधान उपलब्ध है।

3) प्रावधान संबंधी स्थिति

- चरण III की परिसंपत्ति में, पीएफसी के तुलन-पत्र को मजबूत करने पर निरंतर ध्यान देने के साथ, प्रावधान कवरेज को ति1'22 में 65% से ति2'22 में 66% तक मामूली रूप से बढ़ाया गया है।

- इसके अतिरिक्त, प्रावधान में समग्र वृद्धि अर्थात ति1'21 प्रमुख रूप से चरण II के अंतर्गत प्रावधान में वृद्धि के कारण है। चरण II के अंतर्गत पांच ऋण परिसंपत्तियों में, भले ही उनकी अतिदेय 90 दिनों से अधिक हो, उन्हें चरण III में वर्गीकरण पर न्यायालय द्वारा दिए गए स्थगन आदेश के मद्देनजर चरण II के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन ऋण संपत्तियों पर, चरण III के स्तर के समान प्रावधान किया गया है और ब्याज आय केवल नकद आधार पर बुक की जा रही है। इसलिए, इससे चरण II प्रावधान में भी वृद्धि हुई है।

चल रहे समाधान प्रयासों और पर्याप्त प्रावधान बफर से भविष्य में नीचे की ओर निवल एनपीए प्रक्षेपवक्र को जारी रखने में मदद की उम्मीद है।

घ. भारत सरकार आत्म निर्भर डिस्कॉम योजना की स्थिति

- कोविड समय के दौरान डिस्कॉम को लिक्विडिटी प्रदान करने के लिए भारत सरकार आत्म निर्भर डिस्कॉम योजना को कोविड राहत उपाय के रूप में पेश किया गया था। अब, इस योजना के अंतर्गत अधिकांश संवितरण (48,184 करोड़ रुपए) निर्मोचित कर दिया गया है और यह योजना अपने उद्देश्य को सफलतापूर्वक प्राप्त करने में सफल रही है।

ड़. विदेशी मुद्रा ऋण

- विविधीकरण के हमारे उद्देश्य के अनुरूप, पीएफसी ने पहली बार यूरो बॉण्ड बाजार में प्रवेश किया है। पीएफसी ने 13.09.2021 को 300 मिलियन यूरो में अपना पहला 7 वर्षीय यूरो बॉण्ड सफलतापूर्वक जारी किया। पीएफसी ने 1.841% की कीमत निर्धारण हासिल की है, जो कि यूरो बाजारों में भारतीय जारीकर्ता द्वारा लॉक की गई सबसे कम प्रतिफल है। इसके अतिरिक्त, यह किसी भारतीय एनबीएफसी द्वारा पहली बार जारी किया गया यूरो इश्यूएंस है और 2017 के बाद से भारत से पहला यूरो बॉण्ड जारी किया गया है। इस प्रकार, यह पीएफसी के लिए एक माइलस्टोन है क्योंकि यह पीएफसी के लिए कई बार पहली श्रेणी में रखता है।
- इसके अतिरिक्त, पीएफसी 5 वर्ष तक की अवशिष्ट परिपक्वता के साथ पोर्टफोलियो के लिए विनिमय जोखिम पर 85% हैज अनुपात बनाए रखता है।

पीएफसी की उच्च ऋण योग्यता, सुस्थापित संबंधों और विविधीकरण पर समर्पित फोकस के साथ, हमें लगता है कि पीएफसी अपनी अर्जक गतिविधि में लागत संबंधी दक्षता हासिल करना जारी रखेगा।

***